मुख्यमंत्री निवास को बम से उडाने की धमकी, आरोपी झुंझुनूं से डिटेन

पुलिस कंट्रोल रूम पर धमकी मिलने की सूचना सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट हुई, बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में उस समय हड़कंप मच गई,जब एक व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर मुख्यमंत्री निवास (सीएमओ) को बम से उडाने की धमकी दी। पुलिस कंट्रोल रूम पर धमकी मिलने की सूचना अधिकारियों को दी गई। मुख्यमंत्री निवास को बम से उड़ाने की धमकी मिलने खलबली मच गई। सूचना पर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हुई और चप्पे चप्पे पर मुख्यमंत्री निवास की गहनता से तलाशी ली गई। आधे घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद जब वहां पर कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं नहीं मिली तो सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली है।

हालांकि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बम की धमकी देने वाले आरोपित सांवर मल सैनी (50) निवासी गुढा झुंझुनूं को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। जयपुर पुलिस टीम देर रात आरोपित को झुंझुनूं से जयपुर लेकर रवाना हुई।

आरोपी सांवर मल सैनी

- पूरे मुख्यमंत्री निवास परिसर की ली गई चप्पे-चप्पे की तलाशी, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि सोमवार दोपहर साढ़े 12 बजे पुलिस कंट्रोल रूम पर फोन आया और फोन करने वाले ने कहा कि वह मुख्यमंत्री निवास (सीएमओ) को बम से उड़ाने वाला है। इस पर कंट्रोल रूम ने जानकारी सभी पुलिस के अधिकारियों के साथ साझा की। जिसके बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ता मुख्यमंत्री निवास (सीएमओ) पहुंचा और तलाशी ली। करीब आधे घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद जब वहां पर कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं नहीं मिली तो सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली है। संदिग्ध नंबर की लोकेशन ट्रेस की गई तो झुंझुनू में आई। इस पर झुंझुनू पुलिस अधिकारियों को जानकारी दी गई जिस पर झूठी सूचना देने वाले को डिटेन किया गया।

सचिवालय में भी सुरक्षा के बड़े बंदोबस्त

मुख्यमंत्री कार्यालय को बम से उडाने की धमकी के बाद सचिवालय में सुरक्षा व्यवस्था भी कर दी गई है। स्वागत कक्ष और अन्य जगह पुलिस का अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया गया है। सचिवालय में जनपद से आने वाली गाड़ियों को गहन जांच पड़ताल के बाद ही उन्हें अंदर आने दिया जा रहा है।जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ ने बताया कि संदिग्ध आरोपित को झुंझुनू में हिरासत में लिया गया है। आरोपित को पूछताछ के लिए जल्द ही जयपुर लाया गया है। जानकारी के अनुसार आरोपित मानसिक रोगी है, बाकी जांच पड़ताल के बाद ही स्थिति का पता चल पाएगा। वहीं सुरक्षा कारणों से पूरे क्षेत्र को बैरिकेड कर दिया गया है और प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके अलावा स्निफर डॉग्स के साथ आधुनिक तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि सुरक्षा की दृष्टि से इलाके में पुलिस बल तैनात किया गया है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी जुलाई में सीएमओ ऑफिस को इसी तरह की धमकी दी जा चुकी है। उस समय भी सभी सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई थीं और परिसर की पूरी तरह जांच की गई थी, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु हाथ नहीं लगी थी।

मुख्यमंत्री की जनसुनवाई में समस्याओं के निस्तारण से खिले लोगों के चेहरे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अपने निवास पर नियमित जनसुनवाई की।

- परिवेदनाओं के निस्तारण में कोताही नहीं होगी बर्दाश्त : भजनलाल शर्मा
- दिव्यांग, बुजुर्ग और महिलाओं की समस्याओं का प्राथमिकता से किया समाधान

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सुशासन के उच्च मापदंडो के अनुरूप प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जन आकांक्षाओं की पूर्ति और उनकी परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण ही हमारे सुराज का केन्द्र बिंदु है। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की। उन्होंने जनसुनवाई में आए प्रत्येक परिवादी से व्यक्तिशः मिलकर उनकी परिवेदनाओं को सुना तथा अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवेदना का समय से निस्तारण किया जाए। साथ ही, अधिकारी जनता से जुड़े कामों को पूरी जिम्मेदारी से करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण को सूचीबद्ध करने के साथ ही उनका फॉलोअप सुनिश्चित करने और परिवादियों को सूचित करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जो कार्मिक आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण में लापरवाही बरते, उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। शर्मा ने जनसुनवाई में आए लोगों की कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। अपनी परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण से आमजन संतुष्ट नजर आए। मुख्यमंत्री द्वारा जनसुनवाई में गरीब, किसान, महिला और युवा की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया गया। साथ ही, दिव्यांग और बुजुर्ग सहित हर जरूरतमंद की परिवेदनाओं का निस्तारण कर उन्हें राहत दी गई।

जनसुनवाई में बीकानेर से आए विशेष योग्यजन जगदीश प्रसाद ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्हें धार्मिक स्थलों की यात्रा करनी है, परन्तु आर्थिक तंगी के कारण वे अपनी इच्छा पूरी नहीं कर पा रहे हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जगदीश को धार्मिक स्थलों की निःशुल्क यात्रा कराई जाए। जगदीश ने अपनी समस्या के मौके पर ही निस्तारण से खुश होकर शर्मा का आभार जताया। शर्मा ने इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, गृह, राजस्व, सिंचाई, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

क्या जांच एजेंसी के पत्र के आधार पर किया जा सकता है पूरा बैंक खाता फ्रीज?

राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और बैंक ऑफ महाराष्ट्र से इस मामले में जवाब मांगा

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने साइबर ठगी से जुड़ी धनराशि बैंक खाते में जमा होने पर संबंधित राशि के बजाए पूरा बैंक खाता फ्रीज करने से जुडे मामले में राज्य सरकार और बैंक ऑफ महाराष्ट्र को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने इनसे पूछा है कि क्या जांच एजेंसी के पत्र के आधार पर सीआरपीसी की धारा 102 के प्रावधानों की पालना किए बिना बैंक खाता फ्रीज किया जा सकता है। वहीं अदालत ने मामले में इच्छुक अधिवक्ताओं को भी अपना पक्ष रखने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश पदम कुमार जैन की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता अक्षत शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता गोपालपुरा बाईपास पर कचौरी की दुकान संचालित करता है। उसका बचत खाता बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हैं। गत जुलाई माह में बैंक ने उसे बिना कोई सूचना और नोटिस दिए उसका बचत खाता फ्रीज कर दिया। जब याचिकाकर्ता बैंक पहुंचा तो उसे जानकारी दी गई कि तेलंगाना साइबर क्राइम से बैंक को सूचना मिली है कि साइबर ठगी से जुड़ी करीब 4.5 हजार रुपए की राशि उसके खाते में ट्रांसफर की गई है।

याचिका में कहा गया कि नियमानुसार यदि बैंक खाते में कोई विवादित राशि आती है तो पूरा बैंक खाता फ्रीज करने के बजाए विवादित राशि को ही फ्रीज किया जाना चाहिए। वर्तमान में ऐसे सैकड़ों मामले सामने आ रहे हैं, जब बैंक सिर्फ जांच एजेंसी के पत्र के आधार पर पूरे बैंक खाते को ही फ्रीज कर देता है।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि चेन्नई पुलिस कमिश्नर ने ऐसे मामलों के लिए मशीनरी विकसित की है, लेकिन प्रदेश में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। इसके चलते उपभोक्ता को परेशानी होती है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने राज्य सरकार और संबंधित बैंक को नोटिस जारी करते हुए इच्छुक वकीलों को पक्ष रखने को कहा है।

मोबाइल-पर्स छीनने वाला गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए यात्रियों का मोबाइल और पर्स छीनने वाले एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित से छीना मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद आईपीएस ने बताया कि सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए यात्रियों का मोबाइल और पर्स छीनने वाले शातिर बदमाश फिरोज खान (25) निवासी शास्त्री नगर को गिरफ्तार किया है।

संजय बाजार की डक्टिंग पायलट प्रोजेक्ट की रिपोर्ट मांगी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जौहरी बाजार के पास स्थित संजय बाजार में अतिक्रमण से जुड़े मामले में याचिकाकर्ता से बाजार को विकसित करने के लिए बनाए गए डक्टिंग पायलट प्रोजेक्ट की रिपोर्ट मांगी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए आदेश की कॉपी भी दस सितंबर तक पेश करने को कहा है। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश संजय बाजार व्यापार मंडल समिति की जनहित याचिका पर दिए। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विमल चौधरी ने खंडपीठ को बताया कि संजय बाजार में अवैध हटवाड़ा लगाया जा रहा है। इसके कारण स्थानीय व्यापारियों को परेशानी हो रही है। वहीं बाजार में अतिक्रमण और अवैध कब्जों के कारण शहर में होते हुए भी संजय बाजार शहर के दूसरे बाजारों से पिछड़ा हुआ है। हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस वीएस दवे और इंद्रसेन इसरानी ने बाजार के विकास के लिए डक्टिंग प्रोजेक्ट तैयार किया था, लेकिन कई सालों बाद भी इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर काम शुरू नहीं हो पाया है। व्यापारियों ने बाजार में 75 लाख रुपए से ज्यादा कीमत देकर दुकान खरीदी थी, लेकिन बाजार नहीं चलने के कारण उनकी स्थिति खराब हो गई है। इसलिए संजय बाजार से अतिक्रमणों को हटवाया जाए। इस पर खंडपीठ ने उन्हें कहा कि वे पूर्व जस्टिस दवे व जस्टिस इसरानी की ओर से बनाए गए डक्टिंग पायलट प्रोजेक्ट की रिपोर्ट और मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए आदेश को पेश किया जाए।

टी.टी.एफ. मुंबई में राजस्थान पवेलियन की धूम

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुंबई में आयोजित ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर में राजस्थान पर्यटन पवेलियन का उद्घाटन किया।

जयपुर। देश की वाणिज्यिक राजधानी मुंबई में आयोजित ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर (टी.टी.एफ.) में राजस्थान पर्यटन पवेलियन ने शानदार उपस्थिति दर्ज कराई और दर्शकों तथा टूरिज्म इंडस्ट्री के विशेषज्ञों से जबरदस्त सराहना प्राप्त की।

इस भव्य आयोजन का उद्घाटन राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया। उनके साथ पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव राजेश यादव, होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के महासचिव अधिराज सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

पहले दिन उद्घाटन कार्यक्रम में राजेश यादव और पवन जैन की उपस्थिति रही, वहीं होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के महासचिव अधिराज सिंह और कोषाध्यक्ष असीम पारख ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। राजस्थान पवेलियन में "पैलेस ऑन व्हील्स", झील-नदियों के पर्यटन स्थल, ईको-टूरिज्म, और वेडिंग डेस्टिनेशन जैसे अनूठे आकर्षण प्रस्तुत किए गए। ट्रैवल एजेंट्स के लिए विशेष निवेश एवं साझेदारी की जानकारी दी गई और राजस्थान के अद्भुत लेकिन कम ज्ञात पर्यटन स्थलों का भी प्रचार किया गया। यह उम्मीद की जा रही है कि आगामी पर्यटन सीजन में राजस्थान में पर्यटकों की भारी आमद देखने को मिलेगी। राजस्थान पर्यटन विभाग की यह पहल राज्य के पर्यटन उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगी।

बीमारी छिपाकर किए गए विवाह को हाईकोर्ट ने रद्द किया

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने सिजोफ्रेनिया नाम की मानसिक बीमारी से पीडित महिला के विवाह से जुड़े मामले में कहा है कि शादी के समय युवती की मानसिक बीमारी को छिपाकर युवक की सहमति ली गई थी। इसके साथ ही अदालत ने मामले में कोटा के पारिवारिक न्यायालय के 28 अगस्त, 2019 के आदेश को रद्द करते हुए हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 12(1)(ग) के तहत विवाह को रद्द कर दिया है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश पति की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता उदयशंकर आचार्य ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता का विवाह कोटा निवासी युवती के साथ साल 2013 में हुआ था। शादी के बाद ससुराल पहुंचने पर युवती ने ससुराल पक्ष के लोगों के सामने अशिष्ट और असामान्य व्यवहार किया। युवती के साथ पीहर से आए सामान में मनोचिकित्सक की एक पर्ची मिली, जिसमें उसकी पत्नी का सिजोफ्रेनिया का इलाज चलने का हवाला था।

पत्नी की इस मानसिक बीमारी के कारण उनके बीच संबंध भी स्थापित नहीं हुए। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से फैमिली कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि विवाह विच्छेद की गुहार की गई। जिसे फैमिली कोर्ट ने 28 अगस्त, 2019 को निरस्त कर दिया। इस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई।

याचिका में कहा गया कि विवाह से पहले पत्नी की बीमारी के तथ्य को याचिकाकर्ता के छिपाया गया था। दूसरी ओर पत्नी की ओर से कहा गया कि पति और ससुरालवालों ने उससे दहेज उत्पीड़न किया।

वह गंभीर बीमारी से पीडित नहीं है, सिर्फ विवाह के कुछ दिन पहले मां और बहन की दुर्घटना के कारण डिप्रेशन में थी। इसके अलावा विवाह के समय ससुराल में हुई छोटी की घटना को याचिकाकर्ता ने तूल दिया है। वही शिक्षित महिला है और किसी तरह की मानसिक बीमारी से ग्रस्त नहीं है। ऐसे में याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने फैमिली कोर्ट के आदेश को निरस्त कर करते हुए दोनों पक्षों के बीच हुए विवाह को रद्द कर दिया है।

'सांस्कृतिक-शैक्षिणक उत्थान की आवश्यकता'

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि भारतीय कला-संस्कृति की जो ताकत है वो हम भूल गए। हमको सांस्कृतिक-शैक्षिणक उत्थान की आवश्यकता है। संघ का कार्य शुरू किया, उससे पहले लोग हिन्दू की बात नहीं करते थे। वो डॉ. हेडगेवार ही थे, जिन्होंने हिन्दू राष्ट्र की बात की। हम विश्वगुरु थे परंतु अब हमें विश्वगुरू फिर से बनना है।

राज्यपाल बागड़े सोमवार को पाथेय कण संस्थान में आयोजित 'राष्ट्रोत्थान' ग्रंथ के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रारंभ में हमें बोलते थे कि हम प्रसिद्धि पराङ्मुख हैं और इसका हमने सालों पालन किया है। देश जो उत्थान हम देख रहा है वो सालों से उसकी प्रक्रिया चल रही है। हम बचपन से गाते थे, बनेंगे हिन्द के योगी, धरेंगे ध्यान भारत का। हम सभी स्वयंसेवकों के मन में सदैव वही भाव रहता है। जहां जहां स्वयंसेवकों को राष्ट्र सेवा का अवसर मिला चाहे कार्य छोटा हो या बड़ा, उन्होंने प्रमाणिकता के साथ किया।

उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों की प्रामाणिकता ही थी कि पंडित नेहरू जी ने उनको 1962 में लालकिले पर संचलन के लिए आमंत्रित किया। 1965 में भी शास्त्री जी ने जहां आवश्यकता पड़ी, वहां संघ के स्वयंसेवकों का राष्ट्र के लिए उपयोग किया। भारत की ताकत पूरी दुनिया में बढ़ रही है, हम बचपन से ये कहते थे ताकत बढ़ानी है परंतु ये ताकत हमको किसी को धमकाने या डराने के लिए नहीं बढ़ानी, ये ताकत हमको स्व रक्षा कब लिए बढ़ानी है।संघ के ज्येष्ठ विचारकर रमेश पतंगे ने कहा कि संघ ने शताब्दी वर्ष में 5 क्षेत्रों स्व का बोध, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य और पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने का प्रण किया है। संविधान की कम समझ के कारण सभी लोग अधिकारों की बात करते हैं परंतु अपना विचार अधिकारों में स्थान पर कर्तव्यों की बात करता है। कर्तव्य का जागरण समाज में करने की आवश्यकता है।

रक्षाबंधन पर उत्तरकाशी में आपदा प्रभावितों के लिए पतंजलि ने भेजी राहत सामग्री

इस राहत किट में राशन सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुएं भेजी गयी हैं

हरिद्वार। धराली उत्तरकाशी में आई भीषण त्रासदी में प्रभावितों की सहायता के लिए पतंजलि योगपीठ ने हाथ बढ़ाया है। पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव, महामंत्री आचार्य बालकृष्ण तथा पतंजलि फूड्स के एम.डी. रामभरत जी ने प्रारंभिक तौर पर 3 ट्रक आपदा राहत सामग्री धराली, उत्तरकाशी रवाना की, और सम्पूर्ण देशवासियों से इस आपदा में प्रभावितों की सहायता के लिए आगे आने का आव्हान किया।

स्वामी रामदेव ने कहा कि इस त्रासदी में जो जीवन समाप्त हो गए उन्हें तो कोई लौटा नहीं सकता, लेकिन जो लोग जो बाढ़ से बहुत ज्यादा प्रभावित हैं, ऐसे लगभग 500 परिवारों के रोजमर्रा की नितांत आवश्यक वस्तुएँ जैसे- आटा, चावल, दालें, नमक, मसाले, बरसात से बचने के लिए तिरपाल, बर्तन, टूथपेस्ट, ब्रश, साबुन आदि हर्षिल, धराली रवाना की जा रही हैं।

उन्होंने मल्टीनेशनल कंपनियों के साथ-साथ बड़ी स्वदेशी कम्पनियों को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि ये कंपनियां उत्तराखंड में केवल पैसा कमाने आती हैं, जबकि आपदा के समय इन्हें मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाना चाहिए।

रक्षाबंधन पर योग गुरु स्वामी रामदेव ने देशवासियों से अमेरिका की गुंडागर्दी के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में एक न्यू वर्ल्ड ऑर्डर बन रहा है। इसमें ब्रिक्स देश, भारत, रशिया, चाईना, मिडिल ईस्ट, यूरोप तथा जी-7 के कुछ देश एक साथ आगे आ रहे हैं जिससे अमेरिका की दादागिरि का मुकाबला किया जा सके और डॉलर का साम्राज्य खत्म किया जा सके।

देशवासी, स्वदेशी को अपनाने का संकल्प लें और भारत की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने, रुपए को मजबूत बनाने और डॉलर के कुचक्र को तोड़ने का संकल्प लें।

पतंजलि योगपीठ के स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने धराली उत्तरकाशी में भीषण त्रासदी से प्रभावितों के लिए राहत सामग्री के ट्रक भेजे।

उन्होंने कहा कि 250 साल पहले एक विदेशी ईस्ट इण्डिया कंपनी ने भारत को गुलाम बनाया था और केवल 10 ताकतवर लोगों ने लगभग 64 ट्रिलियन डॉलर की लूट की थी। कुल मिलाकर भारत में पिछले 200-250 सालों में लगभग 100 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक लूट हुई है।

आज राजनैतिक आजादी के बावजूद भी देश आर्थिक गुलामी, शिक्षा-चिकित्सा की गुलामी, वैचारिक सांस्कृतिक गुलामी, ग्लानि व कुण्डाओं में डूबा हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने टेरिफ रेट को लेकर पूरे विश्व में जो गुंडागर्दी कर रखी है उसे गुंडागर्दी का मुकाबला करने का समय आ गया।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि रक्षाबंधन का अर्थ है कि हम हमारी बहनों या समाज के किसी भी व्यक्ति की रक्षा अपनी सामर्थ्य के अनुसार कर पाएँ।

दुर्भाग्य से उत्तराखण्ड में जो भयानक त्रासदी हुई, उसमें कई लोगों ने अपनी जान गंवाई। पतंजलि परिवार उसी दिन से शासन-प्रशासन व जमीनी स्तर पर संपर्क बनाए हुए है।

- देशवासी स्वदेशी को अपनाकर भारत की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और डॉलर के कुचक्र को तोड़ने का संकल्प लें : स्वामी रामदेव
- पतंजलि की स्पष्ट सोच, सिद्धांत व मन्तव्य है कि देश हमारा परिवार है : आचार्य बालकृष्णपतंजलि की स्पष्ट सोच, सिद्धांत व मन्तव्य है कि देश हमारा परिवार है : आचार्य बालकृष्ण

करीब 500 परिवार इस भयानक त्रासदी में बहुत ज्यादा प्रभावित हैं।

आचार्य ने कहा कि 2004 की सुनामी, 2008 में बिहार बाढ़, 2013 में केदारनाथ, उत्तराखण्ड बाढ़ से लेकर नेपाल भूकंप त्रासदी तक पतंजलि सबसे पहले प्रभावितों की मदद के लिए आगे आया है।

इससे पहले पतंजलि योगपीठ में श्रावणी उपाकर्म, रक्षाबंधन पर्व मनाया गया जहाँ जिसमें बहन रेनू श्रीवास्तव, साध्वी देवप्रिया, डॉ. ऋतम्भरा शास्त्री, बहन अंशुल, बहन पारूल के साथ-साथ पतंजलि गुरुकुलम् व आचार्यकुलम् की छात्राओं तथा संन्यासिनी बहनों ने स्वामी रामदेव जी व आचार्य बालकृष्ण जी को राखी बांधकर रक्षा का आशीर्वाद लिया। साथ ही पतंजलि गुरुकुलम् तथा आचार्यकुलम् के छात्र-छात्राओं का उपनयन संस्कार कराया गया।

कुख्यात बदमाश जयपुर और टोंक से गिरफ्तार

जयपुर । एन्टी गैंगस्टर टॉस्क फोर्स सीआईडी (सीबी) पुलिस मुख्यालय राजस्थान की टीम द्वारा लॉरेन्स विश्नोई गैंग व अन्य गैंगस्टरों के विरूद्ध लगातार धरपकड के लिए अभियान जारी है। जिसके चलते एन्टी गैंगस्टर टॉस्क फोर्स सीआईडी (सीबी) पुलिस मुख्यालय, राजस्थान जयपुर एवं स्पेशल ऑपरेशन सैल अमृतसर, पंजाब टीमों द्वारा नवाशहर, जालंधर पंजाब में हुये ग्रेनेड धमाके एवं 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) के लगभग दिल्ली एवं ग्वालियर मध्य प्रदेश में धमाका कर संगीन वारदात की योजना को अंजाम देने से पूर्व ही आरोपितों को जयपुर व टोंक जिले से धर दबोचा व पंजाब पुलिस को सुपुर्द कर दिया है।

विगत 7 जुलाई 2025 को नवाशहर जालन्धर में दहशत फैलाकर अवैध वसूली के लिए लॉरेन्स विश्नोई गैंग के गुर्गा ने शराब की दुकान के सामने ग्रेनेड धमाका कर संगीन वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गये। वांछित कुख्यात आरोपितों को जिला जयपुर व टोंक से दस्तयाब किया गया।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एम.एन. ने बताया कि स्पेशल ऑपरेशन सैल अमृतसर पंजाब में दर्ज प्रकरण में वांछित आरोपितों की तलाश के लिए जयपुर रेंज व अजमेर रेंज रवाना किया गया था। टीम द्वारा अपनी पहचान छुपाते हुए जयपुर शहर व टोंक के आपराधिक क्षेत्रों में जान की परवाह ना करते हुए कठोर परिश्रम कर वांछित अभियुक्तों के सम्बन्ध में आसूचना संकलन कर कडी मेहनत से उक्त वारदात मे वांछित शिवम उर्फ बिट्टू पुत्र संजीव यादव जाति यादव निवासी सेमइकापुरा पंचायत सराय रसूलपुर पुलिस थाना बलूआ जिला चांदोली उत्तर प्रदेश, जितेन्द्र चौधरी पुत्र भागचन्द चौधरी जाति जाट निवासी आकोडिया पुलिस थाना निवाई जिला टोंक , संजय पुत्र बुद्धराम जाति नायक निवासी नवरंगदेसर पुलिस थाना शेरगढ जिला हनुमानगढ , सोनू उर्फ काली पुत्र उदयमण्डल जाति चीर निवासी आलमगीर कपूरथला पंजाब, सोनू पुत्र राजू पासवान जाति पासवान निवासी खास दरबार कोदरवा कपूरथला पंजाब इस प्रकार छह वांछित अभियुक्तों को दस्तयाब किया गया, जिसमें से 1 नाबालिग है। इन्हें पंजाब से आयी स्पेशल ऑपरेशन सैल अमृतसर पंजाब पुलिस टीम को सुपुर्द किया गया।